श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

2024-2025

आनन्दं ब्रह्म

|| श्री गङ्गेश्वराय नमः ||

|| श्रीशारदेश्वराय नमः ||

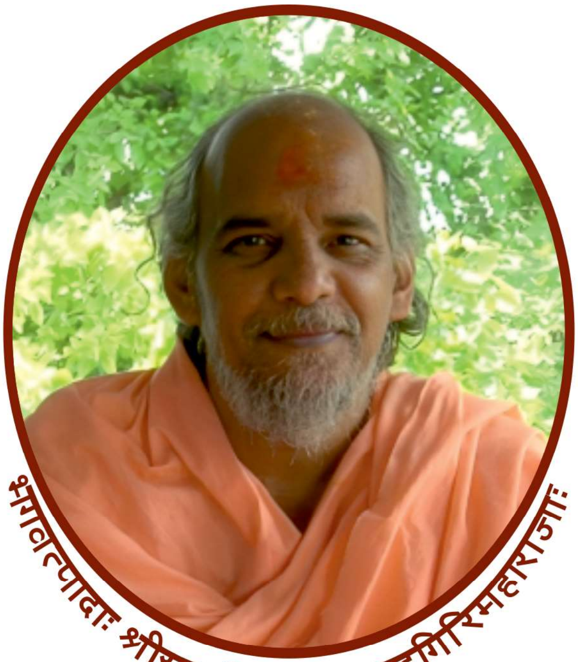

भगवत्पादाः श्रीस्वामिशारदानन्दगिरिमहाराजाः

वार्षिक प्रतिवेदन - 2024-25

आनन्दं ब्रह्म

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

श्री परमानन्द आश्रम, झूसी, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) 211019

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

संस्थापक – श्री १०८ स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज

अध्यक्ष – श्री १०८ स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी महाराज

आनन्दं ब्रह्म

(श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित)

पोस्ट – झूसी, प्रयागराज, (उत्तर प्रदेश) पिन – 211 019

दूरभाष – 0532-2569205, ई-मेल – ssngvv@gmail.com

सोसायटी रजिस्ट्रेशन नं॰ 173/2004-05 दर्पण पोर्टल रजिस्ट्रेशन नं॰ UP/2018/0187820

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड, उज्जैन

(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संस्थापित एवं मान्यता प्राप्त तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नयी दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त)

सम्बद्धता क्रमांक – **0012610001**

वार्षिक प्रतिवेदन वर्ष 2024–2025

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय की स्थापना श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष परमवीतराग धर्मालंकार यतिसम्राट सांख्ययोगवेदांताचार्य सन्तशिरोमणि परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज द्वारा गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दिनांक–07.07.1999 को की गयी थी। विद्यालय को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) से दिनांक–01.04.2001 से ''वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने की योजना'' के अन्तर्गत इकाई के रूप में मान्यता प्रदान की गयी। प्रतिष्ठान द्वारा वेद के प्रचार–प्रसार एवं इसके संरक्षण, संवर्धन के लक्ष्यों, उद्‌देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल करते हुए विद्यालय द्वारा उत्तरोत्तर प्रगति की गयी। तीन वर्षों के बाद संस्था का सम्यक् आकलन

कर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) द्वारा वर्ष 2004–2005 से विद्यालय को पाठशाला योजना में सम्मिलित कर गरिमा प्रदान की गयी। श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के उद्देश्य निम्नलिखित हैं –

(क) वेदादि प्राचीन संस्कृत वाङ्गमय का अध्यापन।

(ख) वेद पाठ की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाने के लिये प्रयासरत रहना।

(ग) बाल्यावस्था से वेदपाठ में पारंगत करना।

(घ) वेद सभा, सम्मेलन, पारायण, विद्वानों का सम्मान, व्याख्यानमाला तथा प्रतियोगिता का आयोजन करना।

(ङ) पुस्तकालय, प्रकाशन, वैदिक सनातन धर्म दर्शन का प्रचार–प्रसार।

(च) वेद–छात्र कल्याणकारी योजनाओं को चलाना, छात्रावास, छात्रवृत्ति उपलब्ध कराना।

(छ) योग्य छात्रों को धर्मशास्त्र तथा कर्मकाण्ड में प्रशिक्षित करना।

(ज) संस्कृत तथा अन्य भाषाओं का ज्ञान, आधुनिक विज्ञान तथा गणित के साथ सामाजिक विज्ञान एवं आंग्ल भाषा, वैदिक विज्ञान, वैदिक गणित, वैदिक साहित्य का इतिहास, भारतीय ज्ञान–विज्ञान परम्परा इत्यादि विषयों का ज्ञान कराना।

(झ) आधुनिक परिवेश को देखते हुये छात्रों को कम्प्यूटर तथा अन्य ट्रेनिंग दिलाने की सुचारु रुप से व्यवस्था की गयी।

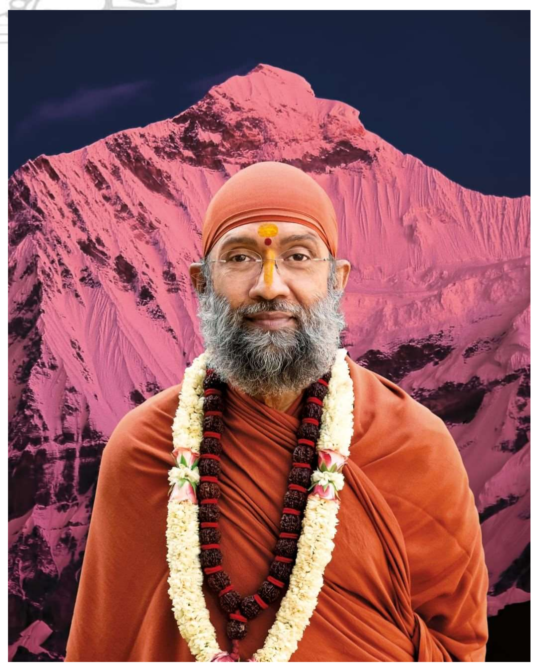

(ञ) सम्मानजनक जीविकोपार्जन तथा नियुक्तियों में परामर्श की सुविधा प्रदान करना।

(ट) वैदिक सनातन जीवनदृष्टि के अनुकूल समाज तथा बाह्यान्तरिक प्रकृति का विकास विश्वकल्याण के कार्य हेतु भिन्न–भिन्न प्रकार के क्रियाकलाप क्रियान्वित करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु दशनाम परंपरा के उच्च कोटि विद्वान संत व परमानंद आश्रम के परम पूज्य अध्यक्ष स्वामी विद्याधीशानंद गिरि जी महाराज के निर्देशन में वेद छात्रों के लिए मूल मूल्य–आधारित वैदिक शिक्षा के संरक्षण, संवर्धन का कार्य अनवरत जारी है। उन्होंने हमेशा छात्र

स्मृति को बेहतर बनाने और स्वदेशी ज्ञान को संरक्षित करने के लिए निरंतर पारंपरिक वैदिक पाठशालाओं को बढ़ावा दिया और जरूरी सुविधाएं प्रदान की। श्री स्वामी विद्याधीशानंद गिरि जी महाराज ने अनेक प्रतिष्ठित संस्थानों में आमंत्रण पर दुनिया भर में 300 से अधिक औपचारिक व्याख्यान दिए, आध्यात्मिक परंपराओं को जोड़ा और वैदिक ज्ञान की सार्वभौमिक शिक्षाओं को साझा किया।

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के सहयोग से लगातार प्रगति की ओर अग्रसर है। यहां विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि आलोच्य वर्ष के दौरान प्रतिष्ठान के माननीय सचिव श्री प्रो. विरुपाक्ष वी. जड्डीपाल जी द्वारा वेद विद्यालय को पूर्णता प्रदान करते हुए ऋग्वेद शाकल शाखा के संचालन की स्वीकृति

प्रदान की गयी। उनके इस अनुग्रह के प्रति संस्था हार्दिक आभार प्रकट करती है। सम्परीक्षण के उपरान्त चयनित ऋग्वेद शाकल शाखा के नवनियुक्त वेद अध्यापक श्री अवनीश कुमार पांडेय ने 1 अक्टूबर, 2024 से पूर्णकालिक वेदाध्यापक के रूप में सेवाभार ग्रहण कर अध्यापन कार्य प्रारंभ कर दिया। इसी क्रम में वर्षपर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रम/गतिविधियां संचालित की गयी।

1. श्रीराम नवमी (दिनांक 17.04.2024 दिन बुधवार) – वार्षिक परीक्षा के उपरान्त नवीन सत्र प्रारम्भ होने पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय एवं श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट,

झूसी प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में श्रीरामनवमी के पावन अवसर पर परमानन्द आश्रम के प्रबन्धक श्री मोहन ब्रह्मचारी जी उपस्थिति में समस्त अध्यापकगण, छात्रों एवं कर्मचारियों

को धोती, कुर्ता, दुपट्टा प्रदान किया गया। उसके बाद विद्यालय के सभी अध्यापकों के साथ आगामी शिक्षण व्यवस्था की चर्चा के उपरान्त वेद पाठशाला के प्रबन्धक ने छात्रों के पठन–पाठन के बारे में आवश्यक दिशा–निर्देश दिये। उन्होंने छात्रों के नियमित आंतरिक मूल्यांकन के लिये मासिक / त्रैमासिक परीक्षा आयोजित कराने का भी निर्देश दिया।

2. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (दिनांक 17.05.2024 से 31.05.2024) प्रयागराज (झूसी) श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 17 से 31 मई तक शुक्लयजुर्वेद अध्यापकों के लिए 15 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित हुआ। देश भर में वेदविद्या प्रतिष्ठान समेत अन्य पांच स्थानों पर यह पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। प्रयागराज केन्द्र पर उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,

महाराष्ट्र एवं स्थानीय वेद पाठशालाओं के 63 वेदाध्यापकों ने प्रतिभाग किया। पुनश्चर्या

पाठ्यक्रम की दिनचर्या प्रतिदिन प्रातः काल योगाभ्यास के साथ प्रारंभ होने के साथ प्रतिदिन नित्यविधि, संध्या, ब्रह्मयज्ञ, जलपान इत्त्यादि के उपरांत प्रतिष्ठान द्वारा प्रेषित समय सारिणी के अनुसार सामूहिक वेद पारायण एवं प्रशिक्षक विद्वानों द्वारा अलग–अलग समूह को संहिता उच्चारण पद्धति, पद, क्रम, अष्टविकृतियों का प्रतिदिन अभ्यास कराया गया। मध्याह्न में संस्कृत एवं

आधुनिक विषय के विद्वानों द्वारा संस्कृत संभाषण, अंग्रेजी, वैदिक गणित, कम्प्यूटर कक्षाएं संचालित हुई। इस पुनश्चर्या प्रशिक्षण में विशेष व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया गया। इलहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो. प्रयाग नारायण मिश्र ने वेदों में विज्ञान विषय पर व्याख्यान

दिया। बीएयचू के व्याकरण विभागाध्यक्ष प्रो. भगवतशरण शुक्ल ने वेदांग विषय पर व्याख्यान

दिया। सीएमपी डिग्री कालेज प्रयागराज के प्रो. महेश कुमार मौर्या ने मनोवैज्ञानिक प्रक्रियाओं का अध्ययन एवं प्रयोगात्मक विधियों पर व्याख्यान दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहायक प्रो. जय सिंह ने शिक्षा मनोविज्ञान व बालविकास पर व्याख्यान दिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के ही संस्कृत विभाग के पूर्व प्रो.राम किशोर शास्त्री ने संस्कृत साहित्य में वेदों के महत्व पर व्याख्यान दिया। प्रयागराज में महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान और श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में सम्पन्न पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के समापन कार्यक्रम के अवसर पर अतिथियों ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि ''सभी ने एक दूसरे से सीखा और यहाँ से सीखकर अपने–अपने विद्यालयों में

छात्रों को भी सिखाएंगे।'' कार्यक्रम का संयोजन एवं आये हुये अतिथियों का स्वागत ब्रजमोहन पाण्डेय और खिमलाल न्यौपाने ने किया। प्रतिष्ठान की तरफ से राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापक राकेश शर्मा (समन्वयक) एवं राधेश्याम पाठक (वेद शाखा प्रशिक्षक) ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जीवन उपाध्याय, गौरव चन्द्र जोशी, कृष्ण कुमार मिश्र, शिवानन्द द्विवेदी, अवनि कुमार सिंह, अंजनी कुमार सिंह आदि ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

3. योग दिवस (दिनांक 21.06.2024 दिन शुक्रवार) – प्रयागराज गंगा किनारे श्री स्वामी

नरोत्तमाननद गिरि वेद विद्याालय, परमानन्द आश्रम झूसी में 10वें अंतराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापक, कर्मचारी एवं वेदपाठी छात्रों ने सूर्य नमस्कार और सामूहिक योग किया। कार्यक्रम संयोजक आचार्य ब्रजमोहन पाण्डेय ने कहा कि उत्तरी गोलार्ध में इस दिन वर्ष का सबसे लम्बा दिन होता है। विश्व के कई इलाकों में यह दिन विशेष माना जाता है। यही कारण है कि योग परम्पराओं के लिहाज से इसे शुभ माना जाता है। विद्यालय के प्राचार्य ब्रजमोहन पाण्डेय ने छात्रों को बताया कि गीता में भगवान

श्री कृष्ण ने कहा है योगः कर्मशु कौशलम् अथार्त कार्य में कुशलता ही योग है। व्यवहार स्तर पर योग शरीर, मन और भावनाओं में संतुलन और सामंजस्य स्थपित करने का एक साधन है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से ब्लड प्रेशर, मधुमेह और गठिया की समस्या दूर

होती है। यह वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को भी बढ़ाता है। अंतराष्ट्रीय योग दिवस से भारत की समृद्धि सांस्कृतिक विरासत को बढ़ाने में अमूल्य योगदान मिला है।

4. तृतीय पुण्य तिथि (दिनांक 26.06.2024 दिन बुधवार) वेद विद्यालय के संस्थापक परम पूज्य श्री 1008 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज की तृतीय पुण्य तिथि के अवसर पर

वैदिक विधि विधान से पूजन, स्तोत्र पाठ, समाधि स्थल पूजन तत्पश्चात् प्रसाद भण्डारे का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि कार्यक्रम में देश भर के विभिन्न प्रान्तों एवं स्थानीय दूर–दराज के क्षेत्रों पहुंचे भक्तों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि कार्यक्रम के दौरान आयोजित श्रद्धांजलि सभा में आश्रम के संतों, वेद एवं संस्कृत अध्यापकों, छात्रों ने श्रीसूक्त एवं पुरूषसूक्त का पाठ कर विभिन्न वेद शाखाओं का मंत्रोच्चार किया। इस अवसर पर आश्रम परिसर में स्थित श्री गंगेश्वर महादेव का रूद्राभिषेक किया गया और विशाल भण्डारे में सभी भक्तगण, स्थानीय निवासी शामिल हुए तथा प्रसाद ग्रहण किया। संस्था के उपाध्यक्ष स्वामी शरद पुरी जी महाराज ने भक्तों को प्रसाद वितरण कर आशीर्वचन प्रदान किया।

5. शैक्षणिक सत्र 2023–24 पूरक परीक्षा (दिनांक 03, 04 एवं 05 जुलाई 2024) महर्षि

सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा निर्धारित पूरक परीक्षा केन्द्र श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्याालय, झूसी में प्रयागराज जनपद के सभी वेद पाठशालाओं एवं गूरू शिष्य परम्परा के वेद–भूषण (प्रथम वर्ष से पंचम वर्ष) एवं वेद–विभूषण (प्रथम व द्वितीय वर्ष) के वेद छात्रों की वर्ष 2023–24 की लिखित एवं मौखिक पूरक परीक्षा 03, 04, एवं 05, जुलाई 2024 को सम्पन्न करायी गयी।

6. नवीन छात्रों का उपनयन संस्कार (दिनांक 08.07.2024 दिन सोमवार) श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में नवीन प्रवेशित 6 छात्रों का उपनयन संस्कार वैदिक परम्परा से श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के प्रांगण में सम्पन्न कराया गया जिसमें छात्रों के परिवारजन भी सम्मिलित रहे। वेदाध्ययन के लिए नव–प्रवेशित छात्रों के अभिभावकों की

मौजूदगी में सामूहिक उपनयन संस्कार विद्वान आचार्यगणों ने संपन्न कराया। 'उपनयन' संस्कार के बाद नवीन बटुकों ने महानिर्वाणी अखाड़े की महामण्डलेश्वर श्री 1008 गीता भारती माता जी से आशीर्वाद प्राप्त किया। महामण्डलेश्वर श्री 1008 गीता भारती जी ने कहा कि त्रैवर्णिक के मुख्य संस्कारों में सर्वप्रथम संस्कार 'उपनयन' है। 'उपनयन' संस्कार होने पर ही त्रैवर्णिक बालक द्विज कहलाता है। शास्त्रों का मानना है कि इस संस्कार से ही बालक का विशुद्ध ज्ञानमय जन्म होता है। इस ज्ञानमय जन्म के पिता आचार्य तथा माता गायत्री हैं। यज्ञोपवीत (यज्ञ + उपवित) का अर्थ है ब्रह्म (ईश्वर) ज्ञान के पास ले जाना। शास्त्रों में संस्कारों की संख्या तो बहुत है, फिर भी विद्वान प्रमुख रूप से 16 संस्कारों को मानते हैं। इनमें से एक संस्कार 'उपनयन' संस्कार है। इसमें विधि पूर्वक विद्यारंभ कराया जाता है। तीन सूत्रों वाले

यज्ञोपवीत को गुरु मंत्र धारण करने के पश्चात शिष्य धारित करता है। तीनों सूत्र ब्रह्मा विष्णु

महेश का प्रतीक है।

7. विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई – भारतीय राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पाठ्यचर्या एवं राष्ट्रीय कौशल भारत मिशन का उद्देश्य शिक्षण विकास एवं प्रशिक्षण के द्वारा शिक्षार्थियों

का सर्वांगीण विकास कर रोजगार प्रदान करना है। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान ने वेद पाठशालाओं में वैदिक कौशल विकास शिक्षण एवं प्रशिक्षण के द्वारा अनेकानेक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षार्थियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण के ज्ञानार्जन द्वारा स्वयं को अद्यतन एवं जागृत करने का प्रयास किया है। इस क्रम

में महर्षि सांदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा प्रवर्तित कौशल विकास पाठ्यक्रम के तहत पुरोहित सहायक विषय में पंचदेवता स्तोत्र – आदित्यहृदय का सस्वर पाठ अभ्यास से अपस्किलिंग का प्रयास किया गया। वैदिक कौशल विकास शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला के अंतर्गत वैदिक छात्रों को वेदी निर्माण का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रायोगिक प्रशिक्षण

में वैदिक छात्रों द्वारा कार्यशाला में सुंदर ढंग से वेदी निर्माण किया गया। 15 जुलाई को वेद विद्यालय के सभी वेद छात्रों को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई और शुभकामनाएँ दी गयी।

8. गुरू पूर्णिमा–(दिनांक 21.07.2024 दिन शनिवार) आषाढ़ मास की पूर्णिमा यानि व्यासपूर्णिमा के अवसर पर गुरू पूजा का विधान है। इस दिन महर्षि वेद व्यास जी का जन्म हुआ था। इसलिए इसे व्यास पूर्णिमा भी कहते हैं। इस दिन श्री स्वामी नरोत्तमान्द गिरि वेद विद्यालय का वार्षिक स्थापना दिवस भी मनाया जाता है। गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर पर सभी वेद छात्रों ने आदि गुरू भगवान् शिव का रूद्राभिषेक किया एवं परम्परागत रूप से इस वर्ष भी वैदिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिय गुरू पूजन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

9. नवीन छात्रों का प्रवेश दिनांक– 28.07.2024 – ऋग्वेद शाकल शाखा के लिये नवीन 7 छात्रों की लिखित व मौखिक प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। इस परीक्षा में मेरिट के आधार पर नव–स्वीकृत ऋग्वेद शाकल शाखा में अध्ययन के लिये छात्रों का प्रवेश लिया गया।

10. हर घर तिरंगा अभियान (दिनांक– 13.08.2024 मंगलवार) इस अभियान के अन्तर्गत श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के छात्र, अध्यापक एवं कर्मचारियों के सहयोग से विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा का जयघोष करते हुए शोभा यात्रा सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर छात्रों में राष्ट्रभक्ति की भावना जागृत की गयी।

11. विभाजन विभीषिका दिवस कार्यक्रम (दिनांक–14.08.2024 बुधवार) महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के निर्देशानुसार विभाजन विभीषिका दिवस कार्यक्रम आयोजित

किया गया। सभी छात्रों को नफरत, हिंसा से दूर रहने तथा विभाजन से होने वाली पीड़ा के बारे में जागरुक किया गया। 14 अगस्त 1947... यह वह तारीख है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता। एक तरफ देश को गुलामी की जंजीरों से मुक्ति मिल रही थी तो दूसरी तरफ इसकी कीमत देश के विभाजन के रूप में मिल रही थी। विभाजन के परिणामस्वरूप लाखों लोग बेघर हो गए। उन्हें रातों–रात पलायन के लिए मजबूर होना पड़ा। कई लोग तो ऐसे भी रहे, जिन्हें आजादी की कीमत अपनी जान देकर चुकानी पड़ी।

12. 78वें स्वतंत्रता दिवस (दिनांक 15.08.2024 बृहस्पतिवार) स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय जल शक्ति

मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह जी के गरिमामयी उपस्थिति में ध्वजारोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। माननीय मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह जी ने छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम की सराहना की और उन्हें मिष्ठान वितरित कर स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की।

13. श्रावणी उपाकर्म एवं संस्कृत दिवस (दिनांक–19.08.2024 सोमवार) के अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय, श्री विष्णु महादेव वेद पाठशाला, श्री राधाकृष्ण वेद विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान मे अध्यापकों एवं छात्रों द्वारा झूंसी स्थित पतित पावनी मां गंगा के किनारे श्रावणी उपाकर्म किया गया। उसके बाद विद्यालय प्रांगण में स्थित लक्ष्मी नारायण में सप्तऋषि पूजन किया गया। इसी दिन ऋग्वेद शाकल शाखा के नवीन प्रवेशित छात्रों का उपनयन संस्कार भी किया गया। इसे यज्ञोपवीत संस्कार के नाम से भी जाना जाता है। श्रावणी उपाकर्म का मुख्य उद्देश्य ब्राह्मणों द्वारा अपने जनेऊ को बदलना होता है। यह कार्य श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि को होता है। यह संस्कार धार्मिक शुद्वता और कर्तव्यों की पुनः स्मृति के लिए किया जाता है। विद्यालय के प्राचार्य द्वारा छात्रों को संस्कृत दिवस के बारे में संस्कृत की महत्ता बतायी गयी। उन्होंने कहा कि श्रावणी पूर्णिमा को संस्कृत दिवस के भी रूप में मनाया जाता है। ऋषि ही संस्कृत साहित्य के आदि स्रोत हैं इसलिए श्रावणी पूर्णिमा को ऋषि पर्व, संस्कृत दिवस एवं रक्षाबंधन के रूप में मनाया जाता है।

14. संस्कृत सप्ताह महोत्सव (दिनांक 21.08.2024 बुधवार) इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गंगानाथ झा परिसर प्रयागराज में विद्यालय स्तरीय छात्र स्पर्धा का आयोजन किया गया। जिसमें श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के छः छात्रों ने भाषण, श्लोक, भगवत् गीता, स्पर्धाओं में अपनी मेधा शक्ति प्रस्तुत कर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्लोक प्रतियोगता में सफल तिवारी (प्रथम स्थान) एवं उमंग पाण्डेय

(तृतीय स्थान) भाषण प्रतियोगिता में प्रांजल शुक्ला (द्वितीय स्थान) व आदर्श तिवारी (तृतीय स्थान) भगवत् गीता प्रतियोगता में नैतिक पाण्डेय एवं रूद्र मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

15. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस दिनांक–23.08.2024 शुक्रवार (**National Space Day**) राष्ट्रीष्य अंतरिक्ष पर झूसी स्थित श्री स्वामी नरोत्तमाननद गिरि वेद विद्याालय में कार्यक्रम हुए।

छात्रों ने राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 की थीम अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोगों का अतीत, वर्तमान और भविष्य पर यू.आर राव सैटेलाईट सेंटर अंतरिक्ष विभाग, इसरो द्वारा विभिन्न आकर्षक माडल एवं पोस्टर बनाये, जिसकी सभी ने सराहना की।

16. पुण्यतिथि–(दिनांक. 25.08.2024 रविवार) भाद्रकृष्णपक्षषष्ठी के अवसर पर प्रातःस्मरणीय परम पूज्यब्रह्मलीन श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि जी की पुण्यतिथि के अवसर पर वेद विद्यालय

के छात्रों अध्यापकों द्वारा वेद ऋचाओं का सस्वर वेदपाठ एवं आश्रम में आये हुए भक्तों ने रूद्राभिषेक पूजन कर संगीतमय स्तोत्रपाठ किया। संस्था के उपाध्यक्ष श्री शरदपुरी जी महाराज ने सभी के उज्जवल भविष्य की मंगलकामना की और उपस्थित वैदिक बटुकों को परिश्रम के साथ जीवन में निरन्तर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया।

17. श्रीकृष्ण जन्माष्टमी–(दिनांक 26.08.2024 सोमवार) विद्यालय परिसर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। भाद्रपद कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को मध्यरात्रि कंस के अत्याचारों से लोगों को छुटकारा दिलाने के लिये भगवान् श्रीकृष्ण का मथुरा में अवतार हुआ। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के शुभअवसर पर विद्यालय में लड्डू गोपाल के जन्म की आकर्षक एवं सुन्दर झांकी सजायी गयी और ''विष्णुसहस्त्रनाम् स्तोत्र'', चारों वेदों से ''वैदिक विष्णुसूक्त'' तथा ''भगवत् गीता'' का पाठ किया गया। राधा–कृष्ण, सुदामा–कृष्ण, हनुमान जी एवं काली मां की भव्य झांकियों एवं उनके नृत्य से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम में वेद

विद्यालय एवं संस्कृत विद्यालय के वार्षिक परीक्षा में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को आश्रम के सचिव के द्वारा स्मृति–चिन्ह, प्रमाण–पत्र प्रदान कर उनका सम्मान किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार द्वारा विधिपूर्वक भजन–कीर्तन इत्यादि के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। वेदच्छात्रों को

भगवान श्री कृष्ण के संदेशों, शिक्षाओं के बारें में विस्तार से बताया गया।

18. राष्ट्रीय खेल दिवस –(दिनांक 26.08.2024 से 31.08.2024) – महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के द्वारा निर्देशित मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर दिनांक 26 अगस्त से 31 अगस्त तक विद्यालय परिसर में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।

बाहरी गतिविधियों के अन्तर्गत पैदल चाल, दौड़, वालीबॉल, इनडोर गतिविधियों के अन्तर्गत बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, रस्साकशी और अन्य मनोरंजक गतिविधियों के अन्तर्गत लम्बी कूद, खो–खो, कबड्डी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर खेल रत्न मेजर ध्यानचंद के बारे में एवं खेलों के प्रति उनके योगदान के विषय में वेद छात्रों को विस्तार पूर्वक बताया गया।

19. कौशल विकास पाठ्यक्रम परीक्षा (दिनांक–29.08.2024) महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा शैक्षणिक सत्र 2023–24 की कौशल विकास और उद्यमिता पाठ्क्रम (स्तर 2.5) की आयोजित लिखित एवं मौखिक परीक्षा (वेद शास्त्र प्रवचन एवं पौरोहित्य) दिनांक

29.08.2024 को श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के वेद भूषण (चतुर्थ वर्ष) 10 छात्रों की परीक्षा इसी विद्यालय में आयोजित की गयी।

20. स्वच्छता पखवाड़ा–(दिनांक 01.09.2024 से 15.09.2024 तक) शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के निर्देश पर विशेष स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। स्वच्छता पखवाड़े के दौरान पाठशाला परिसर में वेद छात्रों द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान छात्रों ने पाठशाला परिसर के अपने बगीचे की मिट्टी में गोबर खाद डालना, गोड़ाई करना और बीजारोपण करना सीखा। पर्यावरण संरक्षण एवं प्रकृति की रक्षा करने का संकल्प लेकर वेद छात्रों ने पाठशाला प्रांगण में पौधारोपण भी किया।

21. ऋग्वेद शाकल शाखा – विद्यालय में नवीन वेद ऋग्वेद शाकल शाखा का प्रारंभ दिनांक 01 अक्टूबर 2024 से हुआ। जिसके अन्तर्गत महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के द्वारा इस वेद हेतु वेदाध्यापक अवनीश कुमार पांडेय जी की नियुक्ति हुई।

22. वेद सम्मेलन (हरिद्वार) – दिनांक 15 से 17 नवम्बर तक आयोजित वेद सम्मेलन में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के अथर्ववेदाचार्य (शौनक शाखा) श्री खिमलाल न्यौपाने जी को उत्तराखण्ड के महामहिम राज्यपाल ले. गुरुमीत सिंह ने वेद वेदांगों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिये आचार्य खिमलाल न्यौपाने जी को विशिष्ट विद्वत सम्मान से सम्मानित किया। हरिद्वार के सूरतगिरि बंगला आश्रम में 15 से 17 नवंबर तक आयोजित अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन में वेद विद्या प्रतिष्ठान के माननीय सचिव श्री विरूपाक्ष जड्डीपाल जी, सुरेश

भैयाजी जोशी RSS राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य , डॉ कृष्ण गोपाल सह–सरकार्यवाह, आचार्य बालकृष्ण, प्रो. चिन्मय पंड्य सहित अनेक संतों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

23. जनजातीय गौरव दिवस, संविधान दिवस– दिनांक 15 से 16 नवम्बर 2024– महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के द्वारा निर्देशित जनजातीय गौरव दिवस एवं संविधान दिवस दिनांक 15 से 16 नवम्बर तक मनाया गया। इस क्रम में छात्रों को

जनजातीय गौरव दिवस एवं संविधान दिवस के बारे में विस्तार से बताया गया। जनजातीय गौरव दिवस के अन्तर्गत स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नेता भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के दिन मनाया जाता है। जनजातीय समुदायों के योगदान को सम्मानित करना और उनकी विरासत को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाना है। संविधान दिवस के अन्तर्गत भारतीय संविधान के इतिहास, मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्त्तव्यों की जानकारी छात्रों को प्रदान की गयी एवं भारत का संविधान (उद्देशिका) को भी बताया गया। छात्रों ने इस अवसर पर पोस्टर बनाकर प्रदर्शनी के माध्यम से प्रस्तुत किया।

24. भारतीय भाषा उत्सव (दिनांक 11 दिसम्बर 2024) –शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली एवं महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन (म.प्र.) के द्वारा निर्देशित भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन विद्यालय में किया गया। इस अवसर पर श्रद्धेय तमिल कवि, लेखक,

पत्रकार और स्वतन्त्रता आन्दोलन के प्रख्यात स्वतन्त्रता सेनानी श्री सुब्रह्मण्य् भारती जिन्हें महाकवि भारती के नाम से भी जाना जाता है, छात्रों को जानकारी प्रदान की गयी। इसी क्रम में डिजिटल क्षेत्रों में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देना, भाषण, गायन, खेल एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया।

25. महाकुंभ मेला पुलिस की तरफ से 17 दिसम्बर को फायर स्टेशन कोतवाली द्वारा अग्नि सुरक्षा के तहत जन जागरूकता हेतु श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरी वेद विद्यालय परिसर में लीडिंग फायरमैन इन्स्पेक्टर नरेंद्र सिंह एवं पीरतपाल सिंह जी द्वारा व्याख्यान एवं अग्निशमन, बचाव के उपायों का सजीव प्रस्तुतीकरण कर प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान छात्रों को अचानक आग लगने पर घबराने की बजाय उसे फैलने से रोकने और अन्य बचाव के तरीकों के बारे में भी बताया गया।

26. स्मरणोत्सव दिवस (दिनांक 13 जनवरी 2025) — महाकुंभ की शुरुआत के साथ ही पौष पूर्णिमा के दिन गंगा किनारे झूसी स्थित परमानंद आश्रम में परमवीतराग धर्मालंकार यतिसम्राट सांख्ययोगवेदांताचार्य सन्तशिरोमणि परमश्रद्धेय ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज के पुण्य स्मरणोत्सव पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में वेदपारायण एवं वेदमंत्रपाठ प्रतियोगिता, वेद–वेदांग विषयों पर छात्रों द्वारा संभाषण किया गया। स्व–स्व वेदशाखाओं व संभाषण में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर विजयी छात्रों को संस्था के उपाध्यक्ष श्री स्वामी शरद पुरी जी ने आशीर्वचन देकर वेद अध्ययन का महत्त्व एवं ब्रह्मलीन श्री स्वामी शारदानन्द गिरि के जीवनवृत्त पर प्रकाश डाला। परमानंद आश्रम की सचिव श्रीमती कनक द्विवेदी ने विजयी छात्रों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के बाद प्रसाद भंडारे का आयोजन हुआ और पुण्य स्मरणोत्सव के माध्यम से परमानन्द

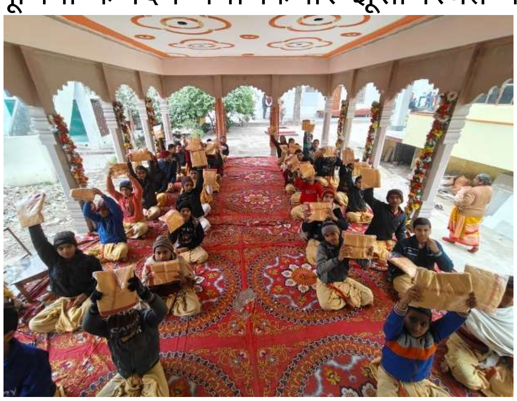

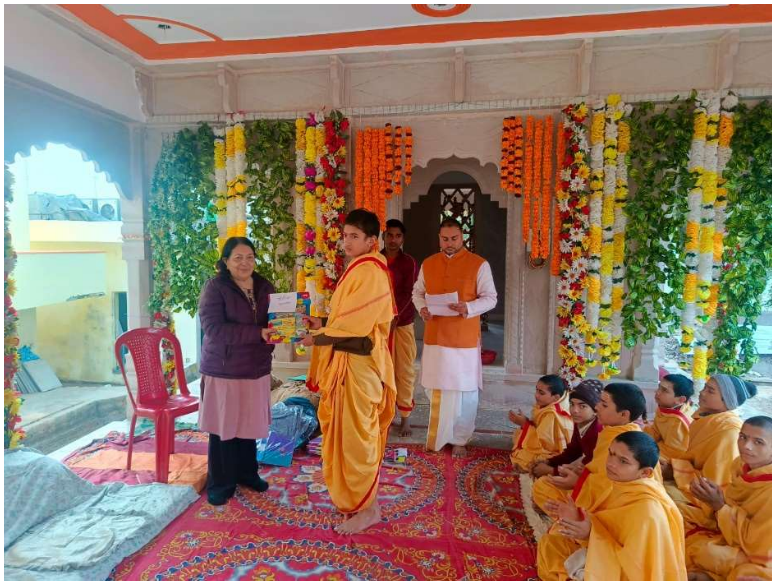

आश्रम परिवार ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। परमानंद आश्रम की मंत्री श्रीमती कनक द्विवेदी ने बताया कि परिसर में स्थित श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में पूज्य ब्रह्मलीन स्वामीजी महाराज के चित्र के सामने दीप प्रज्ज्वलन करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई। इसके पश्चात ऋग्वेद, शुक्ल यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद के मंत्रों के साथ मंगलाचरण के उपरांत वेद विद्यालय के सभी वेद छात्रों द्वारा अपने अपने वेद एवं शाखा के अनुसार वेदपारायण किया गया। इसके पश्चात् विद्वान वेदपरीक्षकों के नेतृत्व में वेदमंत्रपाठ प्रतियोगिता सम्पन्न कराई गई। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य ब्रजमोहन पाण्डेय ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में संत, भक्तगण, स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। ऋग्वेद मंत्रपाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर किशन त्रिपाठी, द्वितीय अक्षत तिवारी, तृतीय विष्णुदेव मिश्रा रहे। यजुर्वेद माध्ययंदिन शाखा मंत्रपाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रांजल शुक्ला, द्वितीय अभिनव पाण्डेय, तृतीय पवन तिवारी रहे। सामवेद मंत्रपाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आदर्श तिवारी, द्वितीय रूद्र मिश्रा, तृतीय सफल तिवारी। अथर्ववेद मंत्रपाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रतीक तिवारी, द्वितीय उमंग पाण्डेय, तृतीय अर्पित पाण्डेय रहे। संस्कृत षडंग संभाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर प्रांजल, द्वितीय आदर्श तिवारी, तृतीय स्थान पर उमंग पाण्डेय रहे। इस दौरान सभी वेद छात्रों को संस्था की तरफ से निःशुल्क वस्त्र वितरण किया गया।

27. गणतन्त्र दिवस– (दिनांक 26.01.2025 दिन) 78वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के छात्रों ने ध्वजारोहण कर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि महानिर्वाणी अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी संतोष पुरी जी (मां गीता भारती), विशिष्ट अतिथि प्रज्ञा पुरी जी ने छात्रों का उत्तसाहवर्धन किया तथा राष्ट्र के प्रति एवं अपने भारतीय संविधान के साथ–साथ

वेदाध्ययन के महत्व को छात्रों को बताया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि महानिर्वाणी अखाड़े की महामंडलेश्वर स्वामी संतोष पुरी जी ने ज्ञान अर्जन के विषय में छात्रों को विशेष व्याख्यान भी दिया। छात्रों द्वारा प्रस्तुत किये गये सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सराहना करते हुए संतोष पुरी जी ने सभी को अपने आशीर्वचनों से अभिसिंचित किया एवं छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए पुरस्कार वितरण किया। प्रसाद स्वरूप फल, मिष्ठान के वितरण के बाद समारोह का समापन किया गया।

28. दिव्य कुम्भ–भव्य कुम्भ (महाकुम्भ 2025) मकर संक्रान्ति से महाशिवरात्रि तक अनवरत चले महाकुम्भ 2025 में देश–विदेश से करोड़ों श्रद्धालु आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत के भव्य समागम के साक्षी बने। तीर्थराज प्रयाग एवं मां गंगा, यमुना और पौराणिक सरस्वती के अद्भुत् संगम के तट पर आयोजित इस सबसे बड़े धार्मिक अनुष्ठान में हर कोई अपने–अपने

ढंग से शामिल हुआ। श्री परमानन्द आश्रम ट्रस्ट द्वारा संचालित श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय झूंसी, प्रयागराज इसी कुम्भ क्षेत्र में स्थित है। महाकुंभ के अवसर पर श्री परमानंद

आश्रम में विशेष रूप से समष्टि भंडारे का आयोजन हुआ। इसमें अखाड़े के करीब 70 महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, 150 महंत, संत समेत हज़ारों श्रद्धालु सम्मिलित हुए। समष्टि भंडारा सायं 5 बजे से देर रात तक चला। अलग–अलग हिस्सों में बनाए गए पंडाल में व्यवस्था के तौर पर स्वामी नरोत्तमनन्द गिरि वेद विद्यालय, गंगेश्वर संस्कृत विद्यालय, आश्रम के वालंटियर्स ने अपनी–अपनी जिम्मेवारी का बखूबी निर्वाह किया और व्यवस्था को बनाने में लगे रहे। इस दौरान आश्रम के भक्तों ने सभी महामंडलेश्वर, मंडलेश्वर, महंतों, संतों का पूजन कर उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन कराया और दक्षिणा आदि देकर सम्मानित किया। संस्था के उपाध्यक्ष स्वामी शरद पुरी ने इस पूरे कार्यक्रम का संचालन किया। आम दिनों में भी परमानंद आश्रम में चलने वाले वेद विद्यालय एवं संस्कृत विद्यालय के छात्रों, संतों, श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन प्रदान

किया जाता है। इसके अलावा माघ मास एवं विशेष अवसरों पर भक्तों द्वारा भंडारे का आयोजन किया जाता है। पूरे महाकुंभ के दौरान आश्रम में पधारने वाले सभी श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन कराया गया।

29. महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के सचिव श्री प्रो. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल जी का आगमन – महाकुम्भ 2025 के अवसर पर प्रतिष्ठान के माननीय सचिव जी ने विद्यालय पधारकर पाठशाला का निरीक्षण किया साथ ही विद्यालय में चल रही चारों वेद की कक्षाओं

का संचालन देखा और वेद छात्रों से सस्वर वेद पाठ श्रवण किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य, समस्त वेदाध्यापकों एवं वेद छात्रों द्वारा श्रीमान् सचिव महोदय का माल्यार्पण कर स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। उन्होंने वेद छात्रों को निरंतर अभ्यास, स्वाध्याय, कण्ठस्थीकरण का महत्वपूर्ण संदेश दिया और उत्तरोत्तर प्रगति करने का आशीर्वाद दिया। प्राचार्य श्री ब्रजमोहन पांडेय जी ने माननीय सचिव जी को छात्रावास व्यवस्था, भोजनालय, भंडार–गृह, गौशाला समेत आश्रम परिसर का भ्रमण कराया। कंप्यूटर अध्यापक अंजनी कुमार सिंह जी ने वेद पाठशाला के कंप्यूटर कक्ष, पुस्तकालय कक्ष का निरीक्षण कराया और वेद छात्रों को कंप्यूटर अध्यापन एवं पुस्तकालय की पुस्तकों के विषय में जानकारी दी। इस अवसर पर सचिव श्री प्रो. विरूपाक्ष वी. जड्डीपाल जी ने नवनिर्मित श्री शारदेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आकर ब्रह्मलीन श्री स्वामी शारदानंद गिरि

जी महाराज को श्रद्धापूर्वक नमन किया। प्राचार्य श्री ब्रजमोहन जी ने सचिव जी को ब्रह्मलीन स्वामी शारदानंद गिरि जी महाराज द्वारा प्रयागराज कुम्भप्रमाण विचार, तीर्थों में देवधारणा, त्रिवेणी संगम, कल्पवास, दशनाम संन्यास परम्परा के शास्त्रीय विवरणों के साथ कुम्भ पर लिखित पुस्तक 'अमृत कलश' भेंट की।

30. बसंतपंचमी (दिनांक 03 फरवरी 2025) महाकुम्भ के पावन अवसर पर तृतीय शाही स्नान कर छात्रों द्वारा मां सरस्वती देवी की प्रतिमा का पूजन–अर्चन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्रों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर उनकी आराधना की

गयी। छात्रों ने मां सरस्वती एवं वाणी की अधिष्ठात्री देवी से प्रार्थना करते हुए कहा कि हमारी पूजा और आराधना स्वीकार करें। ब्राह्मण शास्त्रों के अनुसार, वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूप, कामधेनु और सभी देवताओं की प्रतिनिधि हैं। वह विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अतः छात्रों में अध्ययन के लिये निरंतर शक्ति का संचार करें और वाणी सहित सभी आत्माओं को ज्ञान और बुद्धि प्रदान करें। छात्रों को बताया गया कि वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है जो सभी ऋतुओं का राजा होता है।

31. शारदेश्वर महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव (दिनांक 07 फरवरी 2025) – आश्रम परिसर में इस वेद विद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष रहे परम श्रद्धेय ब्रह्मलीन श्री 108 स्वामी शारदानन्द गिरि जी महाराज की समाधि स्थल एवं शारदेश्वर महादेव मन्दिर की स्थापना कार्यक्रम, अध्यक्ष श्री 108 स्वामी विद्याधीशानन्द गिरि जी महाराज के मार्गदर्शन में, उपाध्यक्ष श्री स्वामी शरदपुरी जी की देख–रेख में विद्वान आचार्यों द्वारा और चारों वेदों के पारायण के

साथ सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर परमानन्द आश्रम की सचिव महोदया डॉ. कनक द्विवेदी, स्वामी केशवानन्द, डॉ. चन्द्रकान्त द्विवेदी, स्वामी चैतन्यपुरी, स्वामी प्रेमपुरी, मोहन ब्रह्मचारी (प्रबंधक) वेद विद्यालय के प्रबंधक डॉ. मनोज झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष रामसजीवन शुक्ल सहित भक्त उपस्थित रहे। तत्पश्चात् प्रसाद वितरण एवं भण्डारे का आयोजन किया गया। इस दौरान हरिद्वार, उत्तराखंड के प्रसिद्ध शिवडेल स्कूल, जगजीतपुर एवं **BHEL** परिसर के करीब 90 वरिष्ठ अध्यापकगण दोनों विद्यालयों के प्राचार्य के नेतृत्व में प्रयागराज महाकुंभ 2025 में शामिल होकर पुण्य स्नान करने पहुंचे। संस्था के उपाध्यक्ष महोदय ने सभी आगंतुकों का गर्मजोशी से स्वागत किया। शिक्षकों ने अपने छात्रों, अभिभावकों, शुभचिंतकों की तरफ से संगम स्नान कर सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, खुशहाली की कामना की। उनके दल ने मेला क्षेत्र का भ्रमण किया, परमानंद आश्रम में प्रसाद ग्रहण किया व छात्रों, अध्यापकों भक्तों द्वारा सेवा भाव से किए जा रहे कार्य की सराहना की।

32. अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस (दिनांक 07 फरवरी 2025) – भाषाओं के प्रति लोगों के लगाव और बचाव के भाव को बढ़ावा देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय मातृ भाषा दिवस पर विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित हुआ। ज्ञान का सागर भाषाएं लोगों को आपस में जोड़ती भी हैं और उनकी संस्कृति को संरक्षित रखने का मौका भी देती हैं। यूनेस्को के अनुसार, दुनियाभर में 8,324 भाषाएं हैं जिनमें से 7,000 भाषाएं आज भी प्रचलन में हैं और इस्तेमाल की जा रही हैं. लेकिन, ये भाषाएं तेजी से लुप्त होती जा रही हैं. ऐसे में इन लुप्त होती भाषाओं के संरक्षण के लिये ही हर साल यह दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में अतिथियों ने भोजपुरी, हिन्दी, कुमाऊनी, बंगाली, नेपाली आदि भाषाओं में संबोधित कर मातृभाषा की उपयोगिता, महत्व को रेखांकित किया।

33. वार्षिक परीक्षा – (28 फरवरी से 04 मार्च 2025) महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा वार्षिक परीक्षा का आयोजन 28 फरवरी से 04 मार्च 2025 तक कराने

का निर्देश दिया गया। इसके अनुपालन में श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में प्रथम, द्वितीय, तृतीय, चतुर्थ, पंचम (वेद भूषण) एवं षष्ठ वर्ष (वेद विभूषण) में अध्ययनरत वेदछात्रों की वार्षिक परीक्षा (लिखित, मौखिक) का आयोजन हुआ। इस वार्षिक परीक्षा में कुल 327 छात्रों ने भाग लिया। प्रतिष्ठान द्वारा यहां केन्द्र क्रमांक 75 स्थापित कर गुरु–शिष्य परम्परा/पाठशाला योजना के वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षा को म.सा.रा.वे.विद्या प्रतिष्ठान, द्वारा

नियुक्त पर्यवेक्षक डॉ. संत प्रकाश तिवारी (प्रोफेसर) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं सह केन्द्र पर्यवेक्षक डॉ. तेज प्रकाश (असिस्टेंट प्रोफेसर) इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज

के कुशल पर्यवेक्षण में संपन्न कराया गया। पूर्व के वर्षों की भांति इस वर्ष भी हमारी वेद पाठशाला ने अपने दायित्व का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया। प्रतिष्ठान के दिशा–निर्देशों के आधार पर बिना किसी बाधा के सुचारु एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा सम्पन्न करायी गयी। प्रतिष्ठान द्वारा नियुक्त गुणी परीक्षकों के सहयोग और केन्द्र व्यवस्थापक ब्रजमोहन पाण्डेय के

अथक परिश्रम से क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न वेद पाठशालाओं और ईकाइयों के वेद छात्रों का परीक्षा कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा हुआ। परीक्षा में उपस्थित प्रेक्षक, परीक्षकों एवं केन्द्र पर उपस्थित समस्त अध्यापकों एवं वेद छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षा के दौरान दोनों पालियों में समयानुसार नाश्ते एवं स्वादिष्ट भोजन की उत्तम व्यवस्था की गई।

34. रंगोत्सव (होली) – श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय के वेद छात्रों ने होली के अवकाश पर घर जाने से पहले फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को गंगेश्वर महादेव, शारदेश्वर महादेव, श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर में गुलाल अर्पित किया और आरती कर पारंपरिक रूप से रंगों के पावन त्योहार की शुरुआत की। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद

सुमित निषाद भी बच्चों के बीच पहुंचे और सभी ने एक–दूसरे को गुलाल लगाकर हर्षोल्लास के बीच रंगभरी एकादशी का त्योहार मनाया। वेद छात्रों ने इस दौरान अपने अध्यापकों को भी जमकर गुलाल लगाया और सहपाठियों को दौड़ाकर रंगों से सराबोर कर दिया। कोई ऐसा नहीं बचा जो साफ–सुथरा दिखाई दे। काशी के प्रसिद्ध उद्योगपति ड्रोलिया परिवार ने आश्रम स्थित मंदिर एवं वेद छात्रों के लिए विशेष रूप से सुगंधित हर्बल गुलाल भेजा था। सभी छात्रों को यह गुलाल बांटा गया। रंगभरी एकादशी को विष्णु जी के साथ ही भगवान शिव और माता पार्वती की भी पूजा करने का विधान है। इस अवसर पर मंदिर में विशेष पूजन किया गया और सभी को मिठाई खिलाकर रंगोत्सव की शुभकामनाएं प्रेषित की गयी।

35. शैक्षणिक भ्रमण – वार्षिक परीक्षा के उपरान्त शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम दिनांक 25/03/2025 को प्रयागराज के विभिन्न ऐतिहासिक व दर्शनीय स्थलों पर आयोजित किया गया। जिसमें समस्त अध्यापकों एवं छात्रों के साथ आनन्द भवन, स्वराज भवन, तारामण्डल,

महर्षि भारद्वाज आश्रम, चन्द्रशेखर आजाद पार्क, इलाहाबाद संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। छात्रों को आजादी आंदोलन से जुड़े आनन्द भवन, नेहरू–गॉधी परिवार के बारे में रोचक जानकारी प्राप्त हुई। तारामण्डल में ग्रह–नक्षत्रों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। महर्षि भारद्वाज आश्रम में दर्शनोपरान्त उनके जीवन के विषय में छात्रों को बताया गया। तत्पश्चात् चन्द्रशेखर आजाद पार्क में शहीद चन्द्रशेखर की प्रतिमा को नमन करते हुए इलाहाबाद संग्रहालय में प्राचीन शिलालेख, ऐतिहासिक मूर्तियों, जीव–जन्तुओं, अस्त्र–शस्त्र एवं प्राचीन संग्रहीत धरोहरों को दिखाकर छात्रों को जानकारी प्रदान की गयी।

:- विशेष -:

वेद मंत्रों के साथ ही AI का हुनर भी सीख रहे वेदपाठी

वेद मंत्रों के उच्चारण में जहां स्वर संचालन को उसका अभिन्न अंग माना जाता है। वहीं मौजूदा परिवेश में कंप्यूटर शिक्षा के बिना किसी भी शिक्षा को पूरा नहीं माना जा सकता। इसी को ध्यान में रखते हुए झूसी के श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय में हाईटेक व हुनरमंद वैदिक तैयार हो रहे हैं। जो वेद मंत्रों के स्वर संचालन के साथ ही कंप्यूटर संचालन में भी पारंगत हो रहे हैं। वेदपाठी छात्रों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी के साथ ही

आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेन्स (एआई), कंप्यूटर पर हिन्दी व अंग्रेजी टायपिंग, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, पावर पॉइंट, एक्सेल, पीपीटी, फोटोशॉप आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। आगे चलकर वे इसका उपयोग पांडुलिपियों के संरक्षण में कर सकते हैं। वेदों के संरक्षण, संवर्धन व उन्नयन में कंप्यूटर का ज्ञान अत्यंत जरूरी है। कंप्यूटर के उपयोग से वेदों के संरक्षण और प्रचार–प्रसार में नई संभावनाएं खुली हैं। वेदों में निहित ज्ञान का विभिन्न भाषाओं में अनुवाद और व्याख्या करने के लिए कंप्यूटर पर आधारित सॉफ़्टवेयर का उपयोग किया जा सकता है। इससे विभिन्न संस्कृतियों और भाषाओं के लोग इन ग्रंथों का अध्ययन कर सकते हैं। टेक्स्ट एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (**NLP**) तकनीकों का उपयोग वेदों

की गहन व्याख्या और तुलना के लिए किया जा सकता है। डिजिटल लाइब्रेरी और ओपन–सोर्स प्रोजेक्ट्स के जरिए वेदों में उपलब्ध ज्ञान को पूरी दुनिया के लिए सुलभ बनाया जा सकता है। आने वाले समय में वेद विद्यालयों से अब सिर्फ पूजा–पाठ कराने वाले वेदपाठी ही नहीं, बल्कि हाईटेक और हुनरमंद वैदिक तैयार होंगे। जो संस्कृत और वेद के साथ ही कंप्यूटर पर काम करने में दक्ष होंगे; साथ ही किसी न किसी कौशल (स्किल) में भी पारंगत होंगे।

***

खबरों में वेदपाठशाला

www.livehindustan.com
हिन्दुस्तान
प्रयागराज, सोमवार, 10 फरवरी

शिविर में वेद मंत्रों के साथ ही एआई का ज्ञान भी अर्जित कर रहे वेदपाठी

नया जमाना

महाकुम्भ नगर, मुख्य संवाददाता। महाकुम्भ में हाईटेक साधु-संन्यासी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं तो वहीं हाईटेक वेदपाठी छात्र भी कौतुहल का विषय बने हुए हैं। डिजिटल इंडिया में हाईटेक वैदिक बटुक वेदों के कठिन मंत्र, पुराण, उपनिषद, गीता, अंग्रेजी, गणित से लेकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तक की शिक्षा हासिल कर रहे हैं।

एक से पांच फरवरी तक विश्व ... के वेदपाठी छात्र तकनीक की मदद से वेद ग्रंथों, मंत्रों को संरक्षित करना और उन्हें वैश्विक स्तर पर साझा करना सीख रहे हैं।

शिक्षा मंत्रालय के अधीन महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान से संबद्ध विद्यालय के वेदपाठी छात्रों को कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी के साथ ही आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेन्स (एआई), कंप्यूटर पर हिन्दी व अंग्रेजी टाइपिंग, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, पावर पॉइंट, एक्सेल, पीपीटी, फोटोशॉप आदि का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। टेक्स्ट एनालिटिक्स, मशीन ...

प्रशिक्षण देने वाले अध्यापक अंजनी कुमार सिंह कहते हैं कि वेदों के संरक्षण, संवर्धन व उन्नयन में कंप्यूटर का ज्ञान अत्यंत जरूरी है। छात्रों के सर्वांगीण कौशल विकास तथा बौद्धिक क्षमता संवर्धन के लिए वेद छात्रों को 2004 से ही कम्प्यूटर शिक्षण और प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

विद्यालय के पूर्व वेद छात्र और अथर्ववेद के साथ ही कंप्यूटर संचालन में पारंगत वैदिक अजय मिश्र के अनुसार वेदों के संरक्षण में कंप्यूटर की उपयोगिता अत्यंत ...

विश्व हिंदू परिषद के वेद विद्यालयों के शिविर में कंप्यूटर सीखते वेदपाठी। • हिन्दुस्तान

एनईपी : वेद विद्यालयों को हाईटेक बनाने की योजना

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत देशभर के वेद विद्यालयों को हाईटेक ... ने हाल ही में महर्षि सान्दीपनी राष्ट्रीय संस्कृत शिक्षा ...

- तकनीक के जरिए वेद ग्रंथों, मंत्रों को संरक्षित करना सीख रहे
- आधुनिक तकनीक से वैदिक ज्ञान को बढ़ावा देने की मुहिम

वैदिक ज्ञान को कैसे समृद्ध करेगी तकनीक

- वेदों के हस्तलिखित और मुद्रित संस्करणों को स्कैन करके डिजिटल स्वरूप में संग्रहित किया जा सकता है।
- कंप्यूटर के माध्यम से वेदों का विस्तृत और खोज योग्य डेटाबेस तैयार किया जा सकता है।
- कंप्यूटर प्रयोग से विलुप्त हो रही पांडुलिपियों और लुप्तप्राय सामग्री ... हुई सामग्री के पुनः निर्माण करने का प्रयास किया जा सकता है।
- मंत्र, ऋचाएं या विषय के आधार पर सामग्री को खोज सकते हैं।
- वेदों के मंत्रों का उच्चारण सही तरीके से संरक्षित करने के लिए ऑडियो रिकॉर्डिंग और साउंड एनालिसिस की जा सकती है।
- वेदों में निहित ज्ञान का विभिन्न ...

श्रावणी उपाकर्म के साथ बटुकों का किया गया उपनयन संस्कार

जासं, प्रयागराज : श्रवण की पूर्णिमा तिथि पर झूंसी स्थित श्री स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय में श्रावणी उपाकर्म के साथ सामूहिक उपनयन संस्कार कराए गए। सोमवार की सुबह मां गंगा के पवित्र जल में स्नान करके विधिविधान से पूजन हुआ। परमानंद आश्रम स्थित श्री ...

- श्री स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय में हुए कार्यक्रम
- दशाश्वमेध घाट पर भी वैदिक ब्राह्मण ने किया श्रावणी उपाकर्म

वैदिक परंपरा से कराया उपाकर्म

गोवर्धन मठ पुरी ओडिशा शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती के शिवगंगा आश्रम झूंसी मे श्रावणी उत्सर्ग एवं उपाकर्म वैदिक मंत्र एवं विधि विधान से कराया गया। गंगा तट पर वेदपाठी बटुको व ब्राह्मणो ने पुराने यज्ञोपवीत (जनेऊ) को ... वैदिक मंत्रो से अभिमंत्रित नए जनेऊ को ...

अमरउजाला नैनी-झूंसी-फाफामऊ amarujala.com प्रयागराज रविवार, 12 जनवरी 2025

वेद मंत्रों का पाठ...एआई संचालन हुनर भी सीख रहे वेदपाठी विद्यार्थी

झूंसी के श्री स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद विद्यालय में हाईटेक व हुनरमंद वेदपाठी हो रहे तैयार

संवाद न्यूज एजेंसी

प्रयागराज। वेद मंत्रों के उच्चारण में जहां स्वर संचालन को अभिन्न अंग माना जाता है, वहीं मौजूदा परिवेश में कंप्यूटर शिक्षा के बिना किसी भी शिक्षा को पूरा नहीं माना जा सकता।

इसी को ध्यान में रखते हुए झूंसी के श्री स्वामी नरोत्तमानंद गिरि वेद ...

पाठशालाओं और करीब 350 गुरु-शिष्य परंपरा इकाइयों का संचालन कर रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत देश भर की वेद पाठशालाओं को हाईटेक और विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप तैयार करने में जुटे शिक्षा मंत्रालय ने ... और वेद विद्यालयों को ...

दैनिक जागरण प्रयागराज, 01 मार्च, 2025 जागरण सिटी प्रयागराज

वेद छात्रों की वार्षिक परीक्षाएं शुरू

महाकुंभ में कैसे वेद मंत्रों के साथ ही AI का हुनर भी सीख रहे वेदपाठी!

... महाकुंभ के पास ही एक ऐसी भी पाठशाला चलती है जहां ...

At this Vedic school, ancient wisdom meets modern tech

K Sandeep Kumar
ksandeep.kumar@livehindustan.com

PRAYAGRAJ : Close to the sprawling tent city of Mahakumbh at Shri Swami Narottamanand Giri Vedic School in Jhunsi area here, a blend of ancient wisdom and modern technology is being fostered.

'Batuks' (students) here are mastering challenging Sanskrit, Vedic mantras, knowl- ...

... its students with computer skills to complement their Vedic studies.

Tech-integrated Vedic education

Instructor Anjani Kumar Singh explains how technology is helping students preserve, study and globally share Vedic texts and mantras.

"The school has been running computer training pro- ... applications. This knowledge helps them preserve ancient manuscripts and use AI to reconstruct lost materials, ensuring survival of invaluable texts," Singh adds.

New breed of scholars

Former student Ajay Mishra, proficient in Atharvaveda and computer handling, highlights the importance of technology in preserving and sharing Vedic ...

SHRI SWAMI NAROTTAMANAND GIRI VED VIDYALAYA®

श्री स्वामी नरोत्तमानन्द गिरि वेद विद्यालय

पोस्ट-झूसी, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश 211 019

आनन्दं ब्रह्म